राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेसविज्ञप्ति

हमारी प्राचीन समृद्ध विरासत से युवाओं को परिचित कराने के प्रयास आवश्यक हैं:—राज्यपाल

देहरादून 22 मार्च, 2012:—

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने कहा कि **हमारी समृद्ध विरासत व संस्कृति से युवाओं को परिचित कराने तथा प्राचीन समृद्ध स्थापत्य व कलात्मक विरासत के प्रति युवाओं में जिज्ञासा तथा समझ पैदा करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को ''अतीत'' तथा ''वर्तमान'' के मध्य की अपनी भूमिका को और विस्तृत करते हुए ''अतीत से भविष्य'' तक ले जाने के प्रयास करने होंगे।**

राज्यपाल आज भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देहरादून स्थित ए.एस.आई. के प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रही थीं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के गौरवशाली 150 वर्ष पूर्ण होने पर राज्यपाल ने विभाग के सभी कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि निरन्तर आक्रमण, बर्बरता तथा विनाश के मध्य अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बचाने का दायित्व इस संस्था के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि अब देश की सांस्कृतिक संपदा/विरासत को सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण, रक्षण तथा संरक्षण के अतिरिक्त तेजी से बदल रहे वातावरण में भी भावी पीढ़ी के लिए बचाये रखने के लिए सत्त प्रबन्धन की व्यवस्था करने का सही समय आ गया है।

राज्यपाल ने ऐतिहासिक महत्व की विरासत स्थलों के संरक्षण में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किये गये कार्यों की सराहना की। उन्होंने कंबोडिया (कम्पूचिया) के 'अंगोरवाट' तथा अफगानिस्तान में ''बामियान'' के लिए संस्था द्वारा किये गये कार्यों की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली प्रशंसा का उल्लेख किया।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक वैभव का उल्लेख करते हुए ए.एस.आई. के अधिकारियों से आग्रह किया कि उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक विरासत का मानचित्र तैयार करने के क्षेत्र में कार्य करें। इसी क्रम में उन्होंने अवगत कराया कि स्वयं उनकी पहल पर राजभवन नैनीताल की ऐतिहासिक इमारत की भव्यता को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने (रेस्टोरेशन) का कार्य शुरू हो चुका है।

समारोह में राज्य सरकार के किसी भी प्रतिनिधि के न होने पर राज्यपाल ने अप्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के विज्ञान खण्ड के निदेशक श्री के.एस.राना द्वारा स्वागत भाषण पढ़ा गया। सुप्रसिद्ध इतिहासकार एवं पुरातत्वबेता प्रो0 एम.पी.जोशी ने भी समारोह को सम्बोधित किया।

राज्यपाल द्वारा दो पुस्तिकाओं का विमोचन करने के साथ ही संस्था के आठ प्रबुद्ध, वरिष्ठ एवं सेवनिवृत्त कर्मियों, डा0 आर.के.शर्मा, डा0आर.पी.सिंह, श्री डी.पी.पुरी, श्री आर जायसवाल, श्री गंगवार, श्री उनियाल, श्री थपलियाल तथा श्री पंवार को सम्मानित किया गया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुरातत्ववेत्ता डा0 डी.ए.डिमरी, परिसहाय राज्यपाल श्री बरिन्दरजीत सिंह सहित अनेक पुरातत्ववेता, वैज्ञानिक व गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

————0————

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0—9456590619 टेली फैक्स 0135—2756172